आवो आवो सा गुरु दीन दयाल थाने आया शुभ की घड़ी

आवो आवो सा गुरु दीन दयाल,
थाने आया शुभ की घड़ी।bd।

आत्म तत्व अति गूढ़ बतायो,
गावे वेद पुराण,
गीता भागवत और रामायण,
सब ही लीन्हा छाण,
पायो पायो जी मैं,
शरणागत में आय,
थाने आया शुभ की घड़ी।bd।

अण्डज और जरायुज,
उदभिज पाई जीवा जूण,
भरम-भरम के बहु दु:ख पायो,
भूल गयो वह मूल,
जासे उतपत्ति,
परलय नित होय,
थाने आया शुभ की घड़ी।bd।

ना मैं मरूँ नहीं मैं जन्मु,
नहीं हो आवा गोन,
श्यामसुन्दर ने गीता माहीं,
प्रकट दिखायो रूप,
वही झिल मिल ज्योति अनूप,
थाने आया शुभ की घड़ी।bd।

भैरूराम गुरु कृपा से,
दरस्या चेतन नूर,
'कमला' निज अनुभव कर देख्या,
पाया सहज स्वरूप,
जा के आश्रित पिण्ड स्थूल,
थाने आया शुभ की घड़ी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आवो आवो सा गुरु दीन दयाल,
थाने आया शुभ की घड़ी।bd।

गायक / प्रेषक – सांवरिया निवाई।
मो.7014827014

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com